ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 **PP. No.- 191-193**

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-18, No.- II, Issues-32, YEAR- April-June-2024

वैश्वीकरण के पश्चात भारत में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के निर्यात की स्थिति – एक विश्लेषण

डॉ0 शशि बाला

एसोशिएट प्रोफेसर– अर्थशास्त्र विभाग, मु० गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ0प्र0), भारत

Received-13.06.2024, Revised-19.06.2024, Accepted-24.06.2024 E-mail: aaryavart2013@gmail.com

सारांश: ***आर्थिक सुधारों से पूर्व सातवीं योजना 1985–1990 के दौरान स्थिर कीमतों पर कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की वार्षिक औसत वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत थी जो घटकर 1990–1992 के उपरान्त 1.3 प्रतिशत रह गई। यह वृद्धि दर आठवीं योजना 1992–1997 के दौरान बढ़कर 4.7 प्रतिशत हो गई। नौंवी योजना (1997–2000) के कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की वार्षिक औसत वृद्धि दर पर घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई।***

बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012–2017) में भी कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के लिए 4 प्रतिशत के वृद्धि लक्ष्य की परिकल्पना की गई थी जबकि पिछले तीन वर्षो के दौरान कृषि में वृद्धि की दरें 2012–13 में 1.5%, 2013–14 में 4.2% तथा 2014–15 में (–)0.2 प्रतिशत रही। इस अवधि के दौरान कृषि उत्पादन कम रहा, सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का हिस्सा घट गया।

कुंजीभूत शब्द– सकल घरेलू उत्पाद, आपूर्ति श्रृंखला, कृषि निर्यातकों, जैविक खेती, मिलेट, पंचवर्षीय योजना, परिकल्पना।

कुल निर्यातों में कृषि एवं सम्बद्ध उत्पादों का अंशदान वर्ष 1950–51 में 52.5% था वह घटकर वर्ष 2013–14 में लगभग 13 प्रतिशत हो गया। 1950–51 में कृषि का राष्ट्रीय आय में योगदान 57 प्रतिशत था वर्ष 2013–14 में घटकर लगभग 14 प्रतिशत हो गया यह क्रमिक गिरावट देश के अन्तः भाग में तेजी से हो रहे औद्योगिक के कारण है। इसके बावजूद भारत खाद्यान्न एवं अन्य कृषि उपजों का आयातक ही नहीं बल्कि आज प्रमुख निर्यातक बन गया है।

भारत के कृषि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कृषि निर्यात 2017–18 में 9.4 प्रतिशत के रूप में कृषि निर्यात 2017–18 में 9.4 प्रतिशत से बढ़कर 2018–19 में 9.9 प्रतिशत हो गया है, जबकि भारत के कृषि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कृषि आयात 5.7 प्रतिशत से घटकर 4.9 प्रतिशत हो गया है जो निर्यात योग्य अधिशेष को दर्शाते है और भारत में कृषि उत्पादों के आयात पर निर्भरता में कमी आई है। विश्व व्यापार संगठन के व्यापार सांख्यिकी के अनुसार 2017 में विश्व कृषि व्यापार में भारत के कृषि निर्यात और आयात का हिस्सा क्रमशः 2.27 प्रतिशत और 1.90 प्रतिशत रहा। वैश्विक कोरोना महामारी लॉकडाउन के कठिन समय के दौरान भी वर्ष 2019 – 20 के कृषि और सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात 249 हजार करोड़ रूपये दर्ज किया जो वर्ष 2020 – 21 में बढ़कर 305 हजार करोड रूपये हो गया, और 22.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर भारत विश्व खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में सुधार और निर्यात जारी रखा।

भारत में कृषि निर्यात– भारत में वर्ष 2011–12 में कुल निर्यात 1465.96 हजार करोड़ जबकि कृषि आधारित निर्यात 182.80 हजार करोड़ था जो वर्ष 2020 – 21 में बढ़कर क्रमशः 2119.85 हजार करोड़ एवं 305.40 हजार करोड़ हो गया जो कुल निर्यात का 13.76 प्रतिशत है। (चित्र–1) कृषि निर्यात में फल–सब्जियों एवं मसालों के निर्यात एवं पशु उत्पादों के निर्यात में भैस का मांस, भेड–बकरी का मांस, पोल्ट्री उत्पाद, पशु आवरण, दूध और दूध उत्पाद और शहद आदि शामिल है।

भारत में खाद्यान्न उत्पादन एवं निर्यात वैश्विक बाजार में खाद्यान्न की भारी मांग भारतीय अनाज उत्पादों को निर्यात के लिए एक उत्कृष्ट वातावरणतैयार कर रही है।भारत के कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017–18 के अनुमान के अनुसार चावल, गेहूं, मक्का, ज्वार, जौ, और बाजरा जैसे प्रमुख अनाज का उत्पादन क्रमशः 112.76 मिलियन टन, 99.87 मिलियन 28.75 मिलियन टन एवं 9.21 मिलियन टन रहा।

चित्र–1

भारत न केवल अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है बल्कि दुनिया में अनाज उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक भी है। भारत ने वर्ष 2016–17 के दौरान कुल अनाज निर्यात 40361.56 करोड़ रूपये किये जो बढ़कर वर्ष 2020–21 में 74448.36 करोड़ हो गया, इनमें चावल (बासमती और गैर बासमती सहित) भारत के कुल अनाज निर्यात में गेहूं सहित अन्य अनाज केवल 12.30 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-18, No.- II, Issues-32, YEAR- April-June-2024

गेहूं के निर्यात में भारत ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। वर्ष 2019–20 में निर्यात 2019.96 हजार टनसे बढ़कर 2020–21 में 2086. 37 हजार टन जबकि कुल अनाज में वार्षिक वृद्धि दर 10.75 दर्ज की गयी।

तालिका–1 भारत से अनाजों का निर्यात

अनाज फसलें		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	वार्षिक वृद्धि (प्रतिशत में)
बासमती	मात्रा	3969.72	4051.90	4415.09	4454.71	4631.53	3.96
चावल	कीमत	21605.13	26841.19	32805.53	31025.88	29849.40	8.26
गैर–बासमती	मात्रा	6813.62	8633.24	7534.21	5036.19	13087.94	7.97
चावल	कीमत	17121.65	22927.06	20903.22	14352.75	35448.24	10.37
गेहू	मात्रा	262.46	229.99	183.16	219.69	2086.37	50.50
	कीमत	444.30	431.74	369.17	438.40	4033.81	55.69
कुल अनाज	मात्रा	11813.98	13734.87	13353.74	10208.75	22832.58	10.75
	कीमत	40595.27	51796.38	56432.91	47266.04	74448.36	11.87

मात्रा – हजार टन में, कीमत – करोड़ रुपये में

स्रात– आथक समीक्षा वर्ष 2020–21

फलों और सब्जियों का उत्पादन एवं निर्यात– फलों और सब्जियों के उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान है। फलों में आम, अनार, केला और संतरे के बाद ताजे फलों के निर्यात में अंगूर का प्रमुख स्थान है जबकि ताजा सब्जियों के निर्यात में प्याज, मिश्रित सब्जियां, आलू, टमाटर और हरी मिर्च का प्रमुख स्थान है हालांकि फलों और सब्जियेां का विश्व व्यापार 208 बिलियन डॉलर है और भारत का हिस्सा बहुत कम है। भारतने वर्ष 2016–17 में 4966.92 करोड़ रूपये के 798.75 हजार टन ताजे फलों का निर्यात और 5718. 69 करोड़ रूपये मूल्य की 3631.97 हजार टन सब्जियों का निर्यात किये जो वर्ष 2020–21 में बढ़कर क्रमशः 5647.55 करोड़ रूपये के 956.96 हजार टन फल और 5371.85 करोड़ रूपये मूल्य की 2326.53 हजार टन ताजी सब्जियां हो गया।

वर्ष 2016–17 में बागवानी फसलों या कुल निर्यात 2445.27 हजार टन हुआ जिसका मूल्य 1123039 करोड़ रूपये था वर्ष 2020–21 में यह बढ़कर 3299.34 हजार टन दर्ज हुआ जिसका मूल्य 11595.38 करोड़ रूपये था। (तालिका–2) भारत में फलों और सब्जियों के निर्यात में वृद्धि की अपार संभावनाए है तथा सीमांत और छोटे किसानों के लिए खेती में रोजगार के साथ अच्छी आय के सुनहरे अवसर भी है।

पशु, डेयरी उत्पाद, मांस उत्पादों का निर्यात– पशु उत्पाद भारत के सामाजिक–आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह दूध, मांस और अंडे जैसे पशु उत्पादों की उच्च गुणवत्ता का एक समृद्ध स्रोत है। भारत विश्व के कुल दुग्ध उत्पादन में 20.17 पोल्ट्री प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूध का सबसे बड़ा उत्पादक बनकर उभरा है। अंडा उत्पादन में भारत का लगभग 5.65 प्रतिशत योगदान वैश्विक रूप से रहा है। पशु उत्पादों के निर्यात में भेड़, बकरी, भैस का मांस, पोल्ट्री उत्पाद, पशु आवरण, दूध और दूध उत्पाद और शहद आदि शामिल है। भारत के पशु उत्पादों का निर्यात वर्ष 2016–17 में 34084.20 करोड़ रूपये था जबकि वर्ष 2021–22 में 27303.55 करोड़ हो गया। मछली और क्रस्टेशियंस, मोलस्क और अन्य जलीय इन्वर्टेब्रेट्स का निर्यात वर्ष 2016–17 में 36897.9 करोड़ रूपये बढ़कर वर्ष 2021–22 में 38795.78 करोड़ रूपये दर्ज किया गया।

कृषि निर्यात को बढ़ावा देने वाले सार्थक प्रयास– कोरोना महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद कृषि संबंधित तथा प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के दायरे के तहत उत्पादों का निर्यात अप्रैल–जनवरी 2020–21 के 15974 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2021–22 से 19709 मिलियन डॉलर तक पहुँच गया।

चावल का निर्यात 2021–22 के दौरान 7696.32 मिलियन डॉलर के साथ विदेशी मुद्रा अर्जित करने में शीर्ष पर रहा जिसमें अप्रैल जनवरी 2020–21 की अवधि में 6793 मिलियन डॉलर की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

गेहूं के निर्यात में 2021–22 के दौरान भारी वृद्धि दर्ज की गई पिछले वर्ष 358 मिलियन डॉलर की तुलना में 387 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1742 मिलियन डॉलर तक जा पहँचा। अन्य मोटे अनाजों में 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस प्रकार 2021–22 के दौरान मांस, डेयरी तथा उत्पादों के निर्यात में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। फलों तथा सब्जियों के 16 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई 2020–21 में निर्यात 1037 मिलियन तथा 2021–22 के दौरान 1269 मिलियन डॉलर दर्ज किया गया।

कृषि एवं अन्य सम्बद्ध उत्पादों का निर्यात– भारत दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पाद निर्यातकों में से एक है। अप्रैल.दिसंबर 2022 में कृषि उत्पादों के निर्यात का कुल मूल्य पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 17ण्5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 19ण्7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। 2021.22 के दौरानए देश ने कुल कृषि निर्यात 50ण्2 बिलियन अमेरिकी डॉलर दर्ज कियाए जो 2020. 21 में 41ण्3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 20ः की वृद्धि है। भारत का कृषि क्षेत्र मुख्य रूप से कृषि और संबद्ध उत्पादोंए समुद्री उत्पादोंए वृक्षारोपण और कपड़ा और संबद्ध उत्पादों का निर्यात करता है। कृषि और संबद्ध उत्पादों के निर्यात का मूल्य 37ण्3 बिलियन अमेरिकी डॉलर थाए जिसमें 2020.21 की तुलना में 17ः की वृद्धि दर्ज की गई।

निष्कर्ष– पिछले तीन वर्षो (2017–18, 2018–19 तथा 2019–20) में कृषि निर्यात क्रमशः 38.43, 38.74 तथा 35.16 बिलियन डॉलर तक लगभग स्थिर बने रहने के बाद 2020–21 के दौरान कृषि एवं संबंद्ध उत्पादों (समुद्री तथा बागान उत्पादों सहित) का निर्यात तेजी से बढ़कर 41.25 बिलियन डॉलर तक पहुंचा जो 17.34 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी को इंगित करता है, रूपये के लिहाज से यह वृद्धि 22.62 प्रतिशत है जो 2019–20 के 2.49 लाख करोड़ रूपये की तुलना में बढ़कर 2020–21 के दौरान 3.05 लाख करोड़ रूपये तक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-18, No.- II, Issues-32, YEAR- April-June-2024

जा पहुंचा। इस दौरान अनाजों के निर्यात में भारी वृद्धि हुई जिसमें गैर– बासमती चावल का निर्यात 136.04 प्रतिशत बढ़कर 4794.54 मिलियन डॉलर रहा। गेहूँ का निर्यात 774.17 प्रतिशत बढ़कर 549.16 मिलियन डॉलर का रहा तथा अन्य अनाजों (मिलेट, मक्का तथा अन्य मोटे अनाज) का निर्यात 238.28 प्रतिशत बढ़कर 694.14 मिलियन डॉलर रहा 2020–21 में जैविक निर्यात 1040 मिलियन डॉलर रहा, इसमें वर्ष 2019–20 की तुलना में 50.94 की वृद्धि दर्ज की गई।

अन्य कृषि संबंधी उत्पादों जिनके निर्यात में 2019–20 में उल्लेखनीय वृद्धि हुई इस दौरान ऑयल मील (1575.35 मिलि0 डॉलर– 90.28 प्रतिशत वृद्धि) चीनी (2789.97 मिलि0 डॉलर– 41.88 प्रतिशत वृद्धि) कच्चा कपास (1897.20 मिलि0 डॉलर 79.43 प्रतिशत) तथा ताजी सब्जियां (721.49 मिलि0 डॉलर– 10.71 प्रतिशत) तथा वेजीटेबल ऑयल (602.77 मिलि0 डॉलर 254.34 प्रतिशत) की बढ़ोत्तरी शामिल है। इसी प्रकार अदरक, काली मिर्च, दालचीनी, इलायची, हल्दी, केसर आदि जैसे मसालों जो उपचारात्मक गुणों के लिए जाने जाते हैं, के निर्यात में भी भारी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

*****